पैडागॉजी अनुभाग के अन्तर्गत शाला सिद्धि की राज्य स्तरीय कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति की बैठक दिनांक 23 अगस्त, 2016 का कार्यवृत।

दिनांक **23 अगस्त, 2016** को श्रीमती रंजना अपर सचिव, विद्यालयी शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक, सर्व शिक्षा अभियान की अध्यक्षता में राज्य परियोजना कार्यालय, सर्व शिक्षा अभियान, के सभागार में शाला सिद्धि की राज्य स्तरीय कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में समिति के निम्न सदस्य उपस्थित थे :–

1. श्रीमती सीमा जौनसारी, निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा, शिक्षा निदेशालय, उत्तराखण्ड देहरादून।
2. डा0 मुकुल कुमार सती, अपर राज्य परियोजना निदेशक, सर्व शिक्षा अभियान, उत्तराखण्ड।
3. श्रीमती अमिता जोशी, वित्त नियंत्रक, राज्य परियोजना कार्यालय, एस0एस0ए0, उत्तराखण्ड।
4. प्रोफेसर प्रणति पाण्डा, न्यूपा, नई दिल्ली।
5. श्री के0 गिरिजा शंकर, सीनियर सलाहकार, एडसिल, नई दिल्ली।
6. श्री के0के0 गुप्ता, विशेषज्ञ, राज्य परियोजना कार्यालय, एस0एस0ए0, उत्तराखण्ड।
7. श्री आर0एस0 रावत, विशेषज्ञ, राज्य परियोजना कार्यालय, एस0एस0ए0, उत्तराखण्ड।
8. श्रीमती हेमलता भट्ट, विशेषज्ञ, राज्य परियोजना कार्यालय, एस0एस0ए0, उत्तराखण्ड।
9. श्री अत्रेश सयाना, विशेषज्ञ पैडागॉजी, राज्य परियोजना कार्यालय, एस0एस0ए0, उत्तराखण्ड।
10. श्री पी0 सकलानी, राज्य परियोजना प्रबन्धक, राष्ट्रीय साक्षरता मिशन, उत्तराखण्ड।
11. श्रीमती कमला जोशी, वरिष्ठ प्रवक्ता, डायट, रूड़की, हरिद्वार।
12. श्री जे0पी0 काला, स्टाफ ऑफिसर, प्रारम्भिक शिक्षा, निदेशालय, उत्तराखण्ड।
13. श्री संजीव जोशी, सहायक राज्य परियोजना निदेशक, रमसा, उत्तराखण्ड।
14. श्री रवि मेहता, उप शिक्षा अधिकारी, सल्ट, जनपद नैनीताल।
15. श्री सुरेन्द्र सिंह नेगी, उप शिक्षा अधिकारी, जखोली, जनपद रूद्रप्रयाग।
16. श्री प्रदीप कुमार राज्य प्रबन्धक, रूम टू रीड, इण्डिया ट्रस्ट 74/1 बलबीर रोड़ देहरादून।
17. श्री राजन अधिकारी, राज्य प्रमुख, सम्पर्क फाउण्डेशन उत्तराखण्ड।
18. श्री शैलेश कुमार श्रीवास्तव, प्रवक्ता, एस0सी0ई0आर0टी0, उत्तराखण्ड, देहरादून।
19. डा0 हेमलता तिवारी, प्रवक्ता, एस0सी0ई0आर0टी0, उत्तराखण्ड, देहरादून।
20. श्री भगवती प्रसाद मैन्दोली, समन्वयक, राज्य परियोजना कार्यालय, एस0एस0ए0, उत्तराखण्ड।
21. श्री अरुण सिंह बिष्ट, समन्वयक पैडागॉजी, राज्य परियोजना कार्यालय, एस0एस0ए0, उत्तराखण्ड।
22. श्रीमती गंगा घुघत्याल, समन्वयक, राज्य परियोजना कार्यालय, एस0एस0ए0, उत्तराखण्ड।
23. श्री एम0एम0 जोशी, समन्वयक, राज्य परियोजना कार्यालय, एस0एस0ए0, उत्तराखण्ड।

सर्व प्रथम अपर राज्य परियोजना निदेशक, सर्व शिक्षा अभियान द्वारा समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों का स्वागत करते हुए अवगत कराया कि सर्व शिक्षा अभियान के आर0ई0एम0एस0 (Reaserch, Evaluation and Monitoring) मद के अन्तर्गत वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट 2016–17 में शाला सिद्धि हेतु रू0 82.80 लाख की धनराशि स्वीकृति हुयी है। उनके द्वारा अवगत कराया गया कि ''शाला सिद्धि'' राष्ट्रीय स्कूल मानक एवं मूल्यांकन कार्यक्रम National Programme on School Standards and Evaluation (NPSSE) है। इसके अन्तर्गत सभी विद्यालयों का

मूल्यांकन किया जाना है। उक्त कार्यक्रम मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अन्तर्गत राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासनिक विश्वविद्यालय (न्यूपा) के निर्देशन में क्रियान्वित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य प्रत्येक विद्यालय का एक संस्था के रूप में मूल्यांकन करना और विद्यालयों के द्वारा स्व–उन्नयन की संस्कृति का निर्माण करना है।

प्रोफेसर प्रणति पाण्डा, विभागाध्यक्ष न्यूपा द्वारा शाला सिद्धि की पृष्ठभूमि, परिचय, आवश्यकता एवं महत्व के सम्बन्ध मे तथ्य प्रस्तुत किये। उन्होंने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विद्यालयों का मूल्यांकन एवं उसके प्रभाव तथा भारत के विभिन्न प्रान्तों में पूर्व में विद्यालय मूल्यांकन कार्यक्रम के स्वरूप,वर्तमान में शाला सिद्धि के अन्तर्गत अन्य प्रान्तों में किये गये प्रयासों से प्राप्त अनुभवों से अवगत कराया। इसके पश्चात पी0पी0टी0 के माध्यम से शाला सिद्धि कार्यक्रम के विभिन्न आयामों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया तथा समिति के सदस्यों की विभिन्न पृच्छाओं का समाधान भी किया गया। यह भी अवगत कराया गया कि यह कार्यक्रम देश के सभी विद्यालयों को स्कूल मूल्यांकन की सतत एवं संस्थागत व्यवस्था के अन्तर्गत लाने का प्रयास है। कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अवगत कराया कि इसका मोटो **"विकास के लिए मूल्यांकन (Evaluation for improvement)"** है। राष्ट्रीय स्कूल मानक एवं मूल्यांकन कार्यक्रम **"विद्यालय मूल्यांकन" को साधन के रूप में और विद्यालय सुधार" को साध्य के रूप में देखता है।**

प्रोफेसर पाण्डा द्वारा अवगत कराया गया कि स्कूल मानक एवं मूल्यांकन की संरचना में सात 'मुख्य आयाम' हैं जो कि विद्यालय के कार्यों के मूल्यांकन के महत्त्वपूर्ण मानदण्ड हैं। प्रत्येक 'मुख्य आयाम' में मूल मानकों का एक समूह है जो उस कार्यक्षेत्र के अधिकतर महत्त्वपूर्ण घटकों के बारे में बताता है। प्रत्येक मूल मानक के अन्तर्गत विद्यालय का स्तर निर्धारण(स्तर–1, स्तर–2, स्तर–3) किस प्रकार निर्धारित होता है, बताया गया। प्रत्येक स्कूल द्वारा विद्यालय मूल्यांकन की समेकित रिपोर्ट स्कूल मूल्यांकन डैशबोर्ड के रूप में कब और किस प्रकार अंकित की जायेगी, के सम्बन्ध में भी अवगत कराया गया । सभी विद्यालयों द्वारा दिसम्बर तक स्कूल मूल्यांकन डैशबोर्ड में समेकित रिपोर्ट अनिवार्यतः अंकित की जानी है। अन्त में उनके द्वारा शाला सिद्धि कार्यक्रम की Time Line से अवगत कराते हुए कहा गया कि निर्धारित समयावधि में कार्य की पूर्णता हेतु एक से अधिक गतिविधियां एक साथ संचालित की जानी होंगी। उन्होंने सुझाव दिया कि कार्यक्रम का संचालन माध्यमिक स्तर पर भी किया जाना है। अतः समस्त राजकीय इण्टरमीडिएट कालेज एवं हाई स्कूल को भी शाला सिद्धि से आच्छादित किया जाना चाहिए। इस हेतु रमसा के अन्तर्गत वर्ष 2016–17 के लिए MMER मद से धनराशि प्राप्त की जा सकती है। साथ ही शाला सिद्धि के कोर ग्रुप व राज्य स्तरीय कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति में राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान से भी सदस्य नामित किया जाना चाहिए।

बैठक में अपर राज्य परियोजना निदेशक, सर्व शिक्षा अभियान डा0 मुकुल कुमार सती द्वारा प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत किया गया। उन्होंने राज्य द्वारा शाला सिद्धि कार्यक्रम की Time Line निम्नानुसार प्रस्तुत की –

क्र.सं.	प्रस्तावित गतिविधि	समय/अवधि
1	कार्यक्रम क्रियान्वयन हेतु न्यूपा एवं राज्य स्तर का आपसी समन्वयन एवं चर्चा	अगस्त 2016
2	राज्य स्तरीय कोर समिति का गठन/बैठक/अभिमुखीकरण	अगस्त 2016

3	कार्यक्रम क्रियान्वयन हेतु नोडल एजेंसी नामित करना। प्रस्तावित संस्था– सर्व शिक्षा अभियान / रा0मा0शि0अ0 / / एस0सी0ई0आर0टी0 प्रस्तावित सदस्य – एस0एस0ए0 के पैडागॉजी विशेषज्ञ, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के सहायक निदेशक, एस0सी0ई0 आर0टी0 के शाला सिद्धि विशेषज्ञ, सर्व शिक्षा अभियान के राज्य समन्वयक (पैडागॉजी)	अगस्त 2016
4	शाला सिद्धि कार्यक्रम हेतु विद्यालयों का चयन	अगस्त 2016
5	शाला सिद्धि कार्यक्रम सम्बन्धी प्रपत्रों एवं सन्दर्भ पुस्तिका का मुद्रण	सितम्बर 2016
6	राज्य स्तर पर KRP प्रशिक्षण	सितम्बर 2016
7	चयनित विद्यालयों के प्रधानाध्यापक का जनपद स्तर पर प्रशिक्षण व प्रपत्र / सन्दर्भ पुस्तिका वितरण (तीन दिवसीय)	सितम्बर, 2016
8	विद्यालय के वाह्य मूल्यांकन हेतु टीम गठन	अक्टूबर 2016
9	विद्यालय द्वारा मूल्यांकन प्रपत्र भरना / आनलाइन फीडिंग–प्रपत्र आनलाइन फीडिंग का कार्य सी0आर0सी0 / बी0आर0सी0 / डी0पी0ओ0 द्वारा सुविधानुसार सम्पन्न करवाया जायेगा।	अक्टूबर से दिसम्बर 2016
10	वाहय समूह द्वारा विद्यालयों का मूल्यांकन / आनलाइन फीडिंग	जनवरी 2017 से फरवरी 2017
11	विद्यालय द्वारा प्रपत्रों के विश्लेषण के आधार पर कार्ययोजना तैयार करना (2017–18 हेतु)	फरवरी से मार्च 2017

बैठक में समिति द्वारा उक्तानुसार Time Line का अनुमोदन किया गया।

अपर राज्य परियोजना निदेशक, सर्व शिक्षा अभियान द्वारा अवगत कराया गया कि सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत वर्ष 2016–17 में शाला सिद्धि समस्त राजकीय प्राथमिक विद्यालय एवं समस्त उच्च प्राथमिक विद्यालयों एवं समस्त राजकीय इण्टर मीडिएट एवं हाई स्कूल जहाँ कक्षा 6 से 8 तक की कक्षायें संचालित है में शाला सिद्धि कार्यक्रम को क्रियान्वित किया जा सकता है। कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु न्यूपा द्वारा विकसित 'शाला सिद्धि' मार्गदर्शिका पुस्तिका प्रत्येक विद्यालय को उपलब्ध करायी जायेगी। वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट 2016–17 में शाला सिद्धि REMS मद के अन्तर्गत स्वीकृत है। इस हेतु धनराशि राज्य स्तर से जनपदों को उपलब्ध करायी जायेगी।

समिति द्वारा उक्तानुसार वर्ष 2016–17 में शाला सिद्धि कार्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु अनुमोदन प्रदान किया गया।

अपर सचिव, विद्यालयी शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक, सर्व शिक्षा अभियान द्वारा अवगत कराया गया कि शाला सिद्धि के कार्यक्रम विद्यार्थी को केन्द्र में रखते हुये विद्यालय को मूल्यांकन की इकाई के रूप में देखता है एवं विद्यालय मूल्यांकन को सतत प्रक्रिया स्वीकार करते

हुये यह विद्यालय में उत्तरोत्तर सुधार पर बल देता है। यह प्रत्येक विद्यालय को अपने कार्यो को समझने के लिये सक्षम बनाता है जिससे वे सतत स्व–सुधार की ओर अग्रसर हो सके। इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन से विद्यालय में अध्ययनरत छात्र, शिक्षक, अभिभावक, समुदाय, शैक्षिक प्रशासक एवं अन्य शैक्षिक अनुसमर्थन प्रदान करने वाली संस्थाये लाभान्वित होंगी। उन्होंने निर्देशित किया कि शाला सिद्धि विद्यालयों के मानक के आकलन हेतु एक महत्वपूर्ण आयाम है। इस कार्यक्रम को समयान्तर्गत राज्य के समस्त प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में तत्काल क्रियान्वित किया जाय।

अन्त में धन्यवाद के साथ बैठक का समापन किया गया।

2.9.16

(डा0 मुकुल कुमार सती)
अपर राज्य परियोजना निदेशक
सर्व शिक्षा अभियान
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पृ0सं0:– अ0रा0प0नि0 / 822 / पैडागॉजी / शाला सिद्धि / 2016–17 दिनांकः 08 सितम्बर, 2016

प्रतिलिपिः– निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. अपर सचिव, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड शासन।
2. निदेशक, माध्यमिक शिक्षा, उत्तराखण्ड देहरादून।
3. निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा, उत्तराखण्ड देहरादून।
4. निदेशक, अकादमिक, शोध एवं प्रशिक्षण, उत्तराखण्ड देहरादून।
5. समस्त जिला परियोजना अधिकारी, सर्व शिक्षा अभियान, उत्तराखण्ड।
6. समस्त प्रतिभागीगण।

2.9.16

(डा0 मुकुल कुमार सती)
अपर राज्य परियोजना निदेशक
सर्व शिक्षा अभियान
उत्तराखण्ड, देहरादून।